मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग, भोपाल
मध्य प्रदेश को वितरण कंपनियों द्वारा प्राप्त अनुपालन मानदण्डों की वर्ष 2010–11 के दौरान उपलब्धियों का प्रकाशन

विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 59 (2) के अनुसार राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित कार्य विधि के मानदण्डों की वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा वर्ष 2010–11 के दौरान अनुपालन के स्तर (जो वितरण कंपनियों द्वारा आयोग को उपलब्ध कराया गया है) को प्रकाशित किया जाना है।

(क) आयोग ने निम्नलिखित मानदण्ड निर्धारित किए हैः

1. खराब/जले हुए ट्रांसफार्मर बदलने बाबत्	:	(i) संभागीय मुख्यालयों में 12 घंटों के अन्दर (ii) संभागीय मुख्यालयों को छोड़कर शहरी क्षेत्र में 24 घंटों के अन्दर (iii) ग्रामीण क्षेत्रों मे सूखे मौसम में 72 घंटों के अंदर तथा मानसून के मौसम में (माह जुलाई से सितम्बर तक) 7 दिवस के अन्दर
2. लाइन ब्रेकडाउन को ठीक करना	:	(i) शहरों में दिन की रोशनी के 12 घंटों के अन्दर (ii) ग्रामीण क्षेत्र मे 3 दिवस के अन्दर
3. फ्यूज़ सुधारना	:	(i) शहरों में कार्य दिवसों में 4 घंटों के अन्दर तथा अन्य दिवसों में 5 घंटों के अन्दर (ii) गाँव मे 24 घंटे के अन्दर
4. प्रदाय में पूर्व निर्धारित रूकावट	:	एक बार में लगातार 8 घंटे से अधिक नही
5. (अ) खराब मीटरों की जांच	:	शिकायत के 7 दिन के भीतर
(ब) खराब व बंद मीटरों का बदलना	:	(i) शहरों में 15 दिन के भीतर (ii) गाँव मे 30 दिन के भीतर
(स) जले हुए मीटरों का बदलना	:	शिकायत के 7 दिन के भीतर
6. नये कनेक्शन देना		
निम्ब दाब पर	:	आवेदन के 30 दिन के भीतर यदि कनेक्शन देने में किसी प्रकार का विस्तार कार्य नहीं होना हो।

7. कनेक्शन का नामांतरण : 10 दिन के भीतर

8. बिजली के गलत बिलों में सुधार : (i) 1 दिन के भीतर यदि कोई अतिरिक्त जानकारी आवश्यक न हो
(ii) शहर में 5 दिन के भीतर एवं गाँव में 10 दिन के भीतर यदि अतिरिक्त जानकारी लेना आवश्यक हो

(ख) मानदण्डों का विस्तृत ब्यौरा एवं उपलब्धि संबंधी प्रकाशन आयोग की वेबसाइट (www.mperc.nic.in) से अथवा कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

(ग) तीनों विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा आयोग को दी गई जानकारी के अनुसार उपभोक्ता सेवाओं में अनुपालन स्तर वर्ष 2010–11 में निम्न अनुसार रहा है :–

क्र.	उपभोक्ता सेवा	विनिमय में निर्धारित समय–सीमा के भीतर सेवा पूर्ण होने वाले प्रकरणों का प्रतिशत		
		पश्चिम क्षेत्र कंपनी	मध्य क्षेत्र कंपनी	पूर्व क्षेत्र कंपनी
1.	खराब/जले हुए ट्रांसफार्मर समय–सीमा में बदलना	शहरी क्षेत्र – 99.18% ग्रामीण क्षेत्र – 96.71%	शहरी क्षेत्र – 98.77% ग्रामीण क्षेत्र – 89.79%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 99.17%
2.	लाइन ब्रेकडाउन को समय–सीमा में ठीक करना	शहरी क्षेत्र – 99.32% ग्रामीण क्षेत्र – 98.86%	शहरी क्षेत्र – 99.73% ग्रामीण क्षेत्र – 99.73%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%
3.	फ्यूज़ को समय–सीमा में सुधारना	शहरी क्षेत्र – 99.91% ग्रामीण क्षेत्र – 99.72%	शहरी क्षेत्र – 99.76% ग्रामीण क्षेत्र – 99.67%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%
4.	खराब एवं जले मीटरों की समय–सीमा में जांच कर बदलना	शहरी क्षेत्र – 99.82% ग्रामीण क्षेत्र – 99.22%	शहरी क्षेत्र – 99.93% ग्रामीण क्षेत्र – 99.70%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%
5.	निम्ब दाब पर समय–सीमा में नये कनेक्शन देना	शहरी क्षेत्र – 95.75% ग्रामीण क्षेत्र – 100%	शहरी क्षेत्र – 99.56% ग्रामीण क्षेत्र – 99.91%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%
6.	कनेक्शन का समय–सीमा में नामांतरण	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%	शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र मिलाकर 84.98%
7.	विद्युत कनेक्शन कटने के बाद समय–सीमा में पुनः जोड़ना	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 98.53%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%
8.	बिजली के गलत बिलों का समय–सीमा में सुधार करना	शहरी क्षेत्र – 99.84% ग्रामीण क्षेत्र – 99.88%	शहरी क्षेत्र – 99.94% ग्रामीण क्षेत्र – 99.75%	शहरी क्षेत्र – 100% ग्रामीण क्षेत्र – 100%

(घ) वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2010–11 के दौरान उनके द्वारा समय सीमा में सेवायें उपलब्ध न कर पाने के एवज में किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति नहीं दी गई।

(ङ) **खराब/जले वितरण ट्रांसफार्मरों की संख्या एवं प्रतिशत :**

वित्तीय वर्ष 2010–11 में खराब/जले वितरण ट्रांसफार्मरों की संख्या एवं प्रतिशत निम्नानुसार है ।

क्षेत्र/ कंपनी का नाम	सेवारत वितरण ट्रांसफार्मरों की कुल संख्या	वित्तीय वर्ष 2010–11 कुल खराब ट्रांसफार्मरों की संख्या	वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान खराब ट्रांसफार्मरों की प्रतिशत दर
पश्चिम क्षेत्र वितरण कंपनी	96035	14957	15.57
मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी	94511	11999	12.70
पूर्व क्षेत्र वितरण कंपनी	72563	9395	12.95

(च) **विद्युत प्रदाय के औसत घंटों की स्थिति :**

संभागीय मुख्यालयों तथा जिला मुख्यालयों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में वर्ष 2010–11 में प्रत्येक 11 के.व्ही. फीडर पर मासिक औसत व्यवधान की संख्या तथा बिजली के उपलब्ध होने की अवधि का ब्यौरा निम्नलिखित अनुसार है :–

संभागीय मुख्यालय	प्रतिमाह औसत व्यवधान संख्या	फीडर विश्वसनीयता (औसत प्रतिमाह) गुणांक
जबलपुर	26	94.79%
सागर	60	85.78%
रीवा	66	83.38%
भोपाल	6	99.56%
ग्वालियर	8	99.02%
होशंगाबाद	5	99.15%
मुरैना	13	98.62%
इन्दौर	28	95.07%
उज्जैन	65	86.74%
शहडोल	43	89.49%

जिला मुख्यालय	प्रतिमाह औसत व्यवधान संख्या	फीडर विश्वसनीयता (औसत प्रतिमाह) गुणांक
सिवनी	46	83.58%
छिंदवाड़ा	54	82.24%
नरसिंहपुर	40	90.19%
कटनी	58	77.88%
मण्डला	15	99.88%
डिण्डोरी	46	99.38%
बालाघाट	31	85.81%
छतरपुर	57	76.49%
दमोह	100	71.46%
टीकमगढ़	62	77.78%
पन्ना	58	74.44%

सतना	50	81.92%
सीधी	70	76.92%
उमरिया	6	98.78%
अनूपपुर	74	81.11%
वैढ़न	99	78.83%
विदिशा	3	99.84%
सीहोर	6	99.66%
राजगढ़	3	99.83%
हरदा	6	99.54%
बैतूल	13	99.14%
रायसेन	4	99.57%
अशोकनगर	28	99.23%
गुना	11	99.05%
भिण्ड	4	99.20%
श्योपुर	4	99.25%
दतिया	5	98.37%
शिवपुरी	4	99.11%
खण्डवा	44	86.17%
बुरहानपुर	53	80.79.%
खरगौन	52	84.31%
धार	5	98.43%
झाबुआ	56	83.99%
बड़वानी	15	78.97%
देवास	78	79.03%
शाजापुर	4	99.22%
रतलाम	14	98.36%
मंदसौर	43	92.50%
नीमच	96	87.60%

ओद्योगिक केन्द्र/क्षेत्र	प्रतिमाह औसत व्यवधान संख्या	फीडर विश्वसनीयता (औसत प्रतिमाह) गुणांक
मण्डीदीप	4	99.89%
मालनपुर	6	99.27%
बामोर	8	99.29%
बोरेगांव	8	99.65%
मनेरी	6	99.97%
पीथमपुर	19	98.72%
चनाटोरिया	6	99.60%

टीप :–

उपरोक्त जानकारी विद्युत वितरण अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा उपलब्ध कराये गये अनुसार है।

आयोग सचिव